



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रतिभक्तर से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 229]
No. 229]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 7, 1993/आषाढ़ 16, 1915
NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 7, 1993/ASADHA 16, 1915

इस भाग में मिल पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय
(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 30 जून, 1993

सा. का. नि. 496(अ):—राष्ट्रपति, संविधान के
अनुच्छेद 318 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969
का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाते
हैं, अर्थात्:—

1. (1) इस विनियम का संक्षिप्त नाम संघ लोक सेवा
आयोग (सदस्य) संशोधन विनियम 1993 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1979 को प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969
के विनियम 9 के उप विनियम (3) के स्पष्टीकरण 2 के
स्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण रखा जाएगा, अर्थात्:—

“स्पष्टीकरण 2—जब पेंशन के लिए कुल सेवा किसी व्यक्ति
द्वारा भागी सदस्य के रूप में और भाग्यतः
अध्यक्ष के रूप में की गई है [चाहे वह
संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) संशोधन
विनियम, 1993 के प्रारम्भ के पूर्व हो या
पश्चात्] तब ऐसे व्यक्ति को अनुज्ञेय पेंशन,
सदस्य के रूप में और अध्यक्ष के रूप में
ऐसी प्रत्येक अवधि के लिए अलग-अलग
संगणित पेंशन का योग होगा।”

[संख्या 39019/3/91-स्था. (ख)]

ज. स. माथुर, संयुक्त सचिव

पाद टिप्पण:—मुख्य नियम दिनांक 11-10-69 की अधि-
सूचना सा. का. नि. सं. 1402, भारत के

राजपत्र भाग II खंड 3(i) में प्रकाशित किए गए थे। तदनुसार निम्नलिखित संशोधन किए गए :—

क्र.सं.	सा. का. नि. सं.	प्रकाशन की तारीख
1.	1230	6-10-79
2.	1418	1-12-79
3.	257	8-3-80
4.	977	27-9-80
5.	832	12-8-81
6.	388	21-5-83
7.	640	3-9-83
8.	584	30-5-84
9.	692	6-9-86
10.	344	30-4-88
11.	583	30-7-89
12.	379	4-6-90
13.	667ई	4-7-92

स्पष्टीकारक ज्ञापन

केन्द्रीय सरकार के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को संदेय पेंशन की अधिकतम सीमा 1 अप्रैल, 1979 से प्रतिमास 1000/- रु. से बढ़ाकर 1500/- रु. कर दी गई थी। चौथे केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर इसे 1 जनवरी, 1986 से पुनः पुनरीक्षित किया गया था। संघ लोक सेवा आयोग के सेवानिवृत्त सदस्यों/अध्यक्ष को इसी प्रकार का फायदा देने का प्रश्न सरकार के ध्यान में रहा है।

2. तथापि, यह देखा गया है कि आयोग के भागतः इसके अध्यक्ष के रूप में और भागतः इसके सदस्य के रूप में सेवा करने के पश्चात् सेवानिवृत्त ~~अधिकतम~~ संदेय अधिकतम पेंशन अब भी 12000/- रु. प्रति वर्ष है। संघ लोक सेवा आयोग के सेवानिवृत्त होने वाले सदस्यों/अध्यक्ष को संदेय पेंशन का साधारण पुनरीक्षण लंबित रहने तक यह विनिश्चय किया गया है कि 12000/- रु. प्रति वर्ष की उक्त सीमा को 1 अप्रैल, 1979 से समाप्त किया जाए जिससे कि असमानता दूर की जा सके। इस विनिश्चय को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि संघ लोक सेवा आयोग (सदस्य) विनियम, 1969 के विनियम 9 के उप विनियम (3) के स्पष्टीकरण 2 को भूतलक्षी प्रभाव से प्रतिस्थापित किया जाए। उक्त विनियमों के इस संशोधन से किसी सेवानिवृत्त सदस्य या अध्यक्ष के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

MINISTRY OF PERSONNEL, P. G. & PENSIONS (Department of Personnel & Training)

NOTIFICATION

New Delhi, the 30th June, 1993

G.S.R. 496(E).—In exercise of the powers conferred by clause (a) of article 318 of the Constitution, the President hereby makes the following regulations further to amend the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, namely :—

1. (1) These regulations may be called the Union Public Service Commission (Members) Amendment Regulations, 1993.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 1st day of April, 1979.

2. In the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, in regulation 9 in sub-regulation (3), for Explanation II, the following Explanation shall be substituted, namely :—

“Explanation II—When the total service for pension is rendered by a person partly as Member and partly as Chairman [whether before or after the commencement of Union Public Service Commission (Members) Amendment Regulations, 1993], the pension admissible to such person shall be the aggregate of the pension calculated separately for each such term as a Member and as a Chairman.”

[No. 39019/3/91-Estt. B]

J. S. MATHUR, Jt. Secy.

Foot Note : The principal regulations were published vide notifications GSR Nos. 1402 dated 11-10-69. In the gazette of India 1969 part II, section 3, sub-section (4) and subsequently amendment by :—

Sl. No.	GSR No.	Date of publication
1.	1230	6-10-1979
2.	1418	1-12-1979
3.	257	8-3-1980
4.	977	27-9-1980
5.	832	12-8-1981
6.	388	21-5-1983
7.	640	3-9-1983
8.	584	30-5-1984
9.	692	6-9-1986
10.	344	30-4-1988
11.	583	30-7-1989
12.	379	4-6-1990
13.	667(E)	4-7-1992

EXPLANATORY MEMORANDUM

The limit of maximum pension payable to retired Central Government employees was raised from Rs. 1000/- to Rs. 1500/- per month with effect from the 1st April, 1979. On the basis of the recommendations of the Fourth Central Pay Commission this was again revised with effect from 1st January, 1986. The question of extending similar benefits to the retired Members|Chairman of the Union Public Service Commission is receiving attention of the Government.

However, it has been noticed that the maximum pension payable to a person retired after serving the

Commission partly as its Chairman and partly as its Member still remains at Rs. 12,000/- per annum. Pending general revision of pension payable to the retiring Members|Chairman of the Union Public Service Commission, it has been decided to do away with the said ceiling of Rs. 12,000/- per annum with effect from 1st April, 1979 so as to remove the disparity. In view of this decision it has become necessary in substitute Explanation II to sub-regulation (3) of regulation 9 of the Union Public Service Commission (Members) Regulations, 1969, with retrospective effect.

This amendment of the said Rules will not adversely affect the rights of any retired Member or a Chairman.

